इन्दौर समाचार के पितृपुरुष स्व. श्री सुरेश सेठजी

Email:samachar.indore@gmail.com, Website: www.indoresamachar.net

RNI No. 1533/57, Dak Reg.: MP/IDC/91/2024-2026 ***

इन्दौर समाचार

वर्ष 85
अंक-339
इन्दौर, शनिवार
28 फरवरी 2026
पृष्ठ 12+8
मूल्य, 5 रुपए

कर्नाटक कांग्रेस में 'पावरगेम' !

डीके शिवकुमार समर्थकों की गुप्त बैठक, 40 विधायकों ने की मुख्यमंत्री बदलने की मांग

कर्नाटक (एजेंसी)। कर्नाटक की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार में नेतृत्व को लेकर चल रहा विवाद अब निर्णायक मोड़ पर पहुँचता दिख रहा है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के वफादार विधायकों ने बेंगलुरु के एक निजी होटल में शक्ति प्रदर्शन करते हुए आलाकमान से राज्य के शीर्ष पद (मुख्यमंत्री) पर शिवकुमार की ताजपोशी का रास्ता साफ करने की मांग की है।

मगाडी के विधायक एच.सी. बालकृष्ण द्वारा आयोजित इस बैठक ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, लगभग 40 समान विचारधारा वाले विधायक इस बैठक में शामिल हुए। आधिकारिक तौर पर इसे बालकृष्ण के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मिलन समारोह बताया गया, लेकिन अंदरूनी चर्चा पूरी तरह नेतृत्व परिवर्तन पर केंद्रित थी। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, बृहस्पतिवार रात को लगभग ''समान विचारधारा वाले 40 विधायक'' होटल में जुटे और शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद पर आसीन कराने के लिए पैरवी करने का निर्णय लिया। शिवकुमार के वफादार बालकृष्ण ने संवाददाताओं से कहा कि उनका जन्मदिन शनिवार को है। ''मैं शुक्रवार सुबह से यहां (बेंगलुरु) नहीं रहूंगा, इसलिए मैंने बृहस्पतिवार को समान विचारधारा वाले लोगों को मिलने के लिए एक साथ आमंत्रित किया। हमने सभी को बुलाया और यह बैठक की।'' चर्चा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''यदि पार्टी में ऐसी ही स्थिति रही तो भविष्य में हमारे लिए कठिनाई होगी। (शीर्ष नेतृत्व को) उन्हें इस मुद्दे (नेतृत्व विवाद) को सुलझाना चाहिए। हमने तय किया है कि हम उनसे ऐसा करने का आग्रह करेंगे।'' दिल्ली जाने के सवाल पर बालकृष्ण ने कहा कि मामला राष्ट्रीय राजधानी जाने का नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आलाकमान को कर्नाटक में हो रही घटनाओं की जानकारी है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस विधायक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में जाते हैं तो उन्हें नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लगातार सवालों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, ''हमारे क्षेत्रों में यही चर्चा होती है और इससे हम असहज महसूस करते हैं। हमें शीर्ष नेतृत्व से इस पर विराम लगाने का अनुरोध करना चाहिए।'' बालकृष्ण ने कहा कि नेताओं को अलग-अलग बुलाने से समाधान नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा कि जब विधायक मिलते हैं तो स्वाभाविक रूप से इस विषय पर बातचीत होती है। उन्होंने कहा, ''कई विधायकों का मानना है कि जब तक यह मुद्दा सुलझेगा नहीं, तब तक हमारे लिए स्थिति कठिन रहेगी और भविष्य अनिश्चित रहेगा।'' बालकृष्ण ने संकेत दिया कि इससे 2028 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की स्थिति पर असर पड़ सकता है। कर्नाटक कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष पद में बदलाव की मांग पर बालकृष्ण ने कहा कि यदि शीर्ष नेतृत्व चाहे तो बदलाव कर सकता है। शिवकुमार पिछले 10 वर्षों से इस पद पर हैं। उन्होंने कहा, ''हम केवल अंतिम निर्णय चाहते हैं। अध्यक्ष बदलें या कोई और, यह मुख्य बात नहीं है। हमारी मांग है कि यहां पार्टी की स्थिति को अंतिम रूप दिया जाए।'' यह पूछे जाने पर कि क्या वह मुख्यमंत्री बदलने की वकालत कर रहे हैं, बालकृष्ण ने कहा, ''शीर्ष नेतृत्व ने कहा है कि निर्णय लिया जाएगा।

दिल्ली शराब नीति केस,

केजरीवाल-सिसोदिया CBI केस में बरी

फैसले के बाद केजरीवाल रोते हुए बोले- जिंदगीभर ईमानदारी कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब घोटाला केस में दिल्ली कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को CBI केस में बरी कर दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को कहा- दोनों के खिलाफ बिना सबूत के आरोप साबित नहीं होता है।

इस मामले में CBI ने कुल 23 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।कोर्ट ने सभी के खिलाफ आरोप तय करने से इनकार करते हुए सभी को बरी कर दिया। पिछले कुछ सालों से जिस तरह से बीजेपी शराब घोटाला, शराब घोटाला कर रही थी। हमारे ऊपर आरोप लगा रही थी। आज कोर्ट ने सारे आरोप खारिज कर दिए और हम सबको डिसचार्ज कर दिया। हम हमेशा कहते थे कि हमें भारतीय न्याय प्रणाली पर भरोसा है। मैं जज साहब का बहुत-बहुत शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने हमारे साथ न्याय किया। सत्य की जीत हुई। भगवान हमारे साथ है। मोदी जी और अमित शाह जी ने मिलकर आजाद भारत का यह सबसे बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र रचा। आम आदमी पार्टी को खत्म करने के लिए आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े पांच नेताओं को जेल में डाल दिया। आज तक आजाद भारत के इतिहास में ऐसा नहीं हुआ। सिटिंग चीफ मिनिस्टर को घर से घसीटकर जेल में डाला गया और छह महीने तक जेल में रखा गया।

पड़ोसी राज्य के गांव में पहुंच गए बंगाल के SIR अधिकारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) कार्य के लिए तैनात दो अधिकारी गलती से पड़ोसी राज्य ओडिशा के बालासोर जिले के एक गांव में पहुंच गए, जहां उन्हें बच्चा चोर गिरोह का सदस्य समझकर स्थानीय लोगों ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार को उस समय हुई जब दोनों अधिकारी बालासोर जिले के रायबानिया थाना क्षेत्र के एक गांव में पहुंच गए जो पश्चिम बंगाल की सीमा से सटा हुआ है। पुलिस ने बताया कि दोनों अधिकारियों को एसआईआर के लिए 'माइक्रो-ऑब्जर्वर' के रूप में तैनात किया गया था और उन्हें पश्चिम बंगाल के नयाग्राम ब्लॉक के एक गांव में जाना था। हालांकि, किराए पर लिये गये ऑटो-रिक्शा के चालक ने उन्हें गलती से ओडिशा के सीमावर्ती गांव में पहुंचा दिया। स्थानीय लोगों को उन पर बच्चा चोरी गिरोह का सदस्य होने का संदेह हुआ।

अफगानिस्तान का पाक पर हमला, 55 सैनिक मारे ; जेट भी गिराया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने गुरुवार देर रात पाकिस्तान पर हमला किया। टोलो न्यूज के मुताबिक तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने इस हमले में 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया। अफगान मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबानी लड़ाकों ने एक पाकिस्तानी जेट भी मार गिराया है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। यह हमला 22 फरवरी को अफगानिस्तान में पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के जवाब में किया गया। अफगान सरकार का दावा है कि 23 पाकिस्तानी सैनिकों के शव उसके पास हैं। पाकिस्तानी सेना के एक

हेडक्वॉर्टर और 19 चौकियों पर भी कब्जा कर लिया गया है। वहीं, पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक जवाबी कार्रवाई करते हुए PAK सरकार ने ऑपरेशन 'गजब लिल हक' शुरू किया है। पाकिस्तान की वायुसेना ने काबुल, नंगरहार प्रांत समेत कई शहरों में एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तान का दावा है कि अब तक 133 अफगान तालिबान लड़ाके मारे गए और 200 से ज्यादा घायल हैं। 27 तालिबान चौकियां तबाह कर दी गई हैं और 9 पर कब्जा कर लिया गया है। [illegible] रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हमारे सब्र की सीमा पार हो चुकी है, अब हमारे और आपके बीच खुला युद्ध छिड़ गया है।

पाकिस्तानी जेट मार गिराने का दावा

अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी जेट को मार गिराने का दावा किया है। अफगान मीडिया टोलो न्यूज ने सुरक्षा बलों के हवाले से बताया कि विमान ने अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया था, जिसके बाद उसे निशाना बनाया गया। वहीं, Amu रेडियो ने भी सूत्रों के हवाले से एक पाकिस्तानी सैन्य विमान के गिराए जाने की खबर दी है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है।

भारत की सबसे प्यारी प्रेम कहानियों में से एक जीवन भर के वादे में बदल गई और सहकर्मियों से सबसे अच्छे दोस्त बने रश्मिका मंदाना और विजय देवराकोंडा ने एक-दूसरे को पति और पत्नी के रूप में चुना।

तमिलनाडु में चुनाव से पहले बड़ा उलटफेर

DMK में शामिल हो गए पूर्व सीएम ओ पन्नीरसेल्वम

तमिलनाडु (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम डीएमके में शामिल हो गए हैं। यह ना केवल एआईएडीएमके के लिए बल्कि बीजेपी के लिए भी बड़ा झटका हो सकता है। बता दें कि इसी साल तमिलनाडु की 234 सीटों वाली विधानसभा का चुनाव होना है। पन्नीरसेल्वम तीन बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वह पूर्व सीएम और

एआईएडीएम की अध्यक्ष जय ललिता के वफादार माने जाते थे। उनके निधन के बाद पार्टी में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई। हालांकि एआईएडीएमके में अंदरूनी कलह बढ़ती ही चली गई। ऐसे में पलानिस्वामी और पन्नीरसेल्वम में आपस में तनाव चरम पर पहुंच गया और संगठन में फूट पड़ गई। अन्नाद्रमुक से 2022 में निष्कासित ओ पनीरसेल्वम शुक्रवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की मौजूदगी में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल हो गए। पनीरसेल्वम ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की सुप्रीमो दिवंगत जे जयललिता के विश्वासपात्र माने जाते थे। अपने मातृ संगठन में फिर से शामिल होने के लिए तीन साल के असफल प्रयास के बाद वह द्रमुक में शामिल हो गए। बीते दिनों उन्होंने राजनीति से संन्यास लेने तक की बात कह दी थी। ओ. पन्नीरसेल्वम ने पार्टी के कल्याण के लिए 46 वर्षों से अधिक समय तक काम करने और सभी अपमानों को धैर्यपूर्वक सहने का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा था कि अगर उनकी गलतियां साबित हुईं, तो वह राजनीति छोड़ देंगे।

शंकराचार्य के वकील को मिली जान से मारने की धमकी

वाराणसी (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अधिवक्ता और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य श्रीनाथ त्रिपाठी को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी उनके मोबाइल पर भेजे गए [illegible] से दी गई है।

जिसमें वाराणसी कचहरी को भी बम से उड़ाने की धमकी है। फिलहाल इस संबंध में एडवोकेट श्रीनाथ त्रिपाठी ने आला अधिकारियों को सूचना दी है। बता दें कि पिछले 14 दिनों में यह चौथा मौका है। जब वाराणसी कचहरी को उड़ाने की धमकी दी गई है। फिलहाल जांच एजेंसियां इस मैसेज के बाद अलर्ट हैं। बता दें कि मंगलवार को भी

धमकी भरा ईमेल मिला था। जिसके बाद सघन तलाशी अभियान जिला एवं सत्र न्यायालय वाराणसी में चलाया गया था। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य और वाराणसी कचहरी में फौजदारी के वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीनाथ त्रिपाठी को जान से मारने की धमकी भरा एसएमएस मिलने से हड़कंप मच गया। बता दें शंकराचार्य के ऊपर लगे पाक्सो एक्ट के मामले को श्रीनाथ त्रिपाठी देख रहे हैं। ऐसे में उनको मैसेज आने के बाद अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। फिलहाल वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस अलर्ट मोड में है।

कार्टून कोना....

मप्र में फैलता एमडी ड्रग्स नेटवर्क: युवाओं के भविष्य पर मंडराता खतरा : जीतू पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में हाल के समय में मादक पदार्थों, विशेषकर एमडी/एमडीएमए (सिंथेटिक ड्रग्स) की लगातार हो रही बरामदगियां प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती हैं। यह घटनाएं स्पष्ट संकेत देती हैं कि प्रदेश में नशा तस्करी का संगठित नेटवर्क सक्रिय है और युवाओं को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। अभी तक जितनी जगह पकड़ाया है अभी तक इसमें आरोपी किस किस पर कार्यवाही की गई और कौन कौन संलिप्त थे ये तथ्य सार्वजनिक किए जाए। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षजीतू पटवारी ने कहा कि मंदसौर में एक किराए के मकान से 1886 किलो एमडी ड्रग्स बनाने में प्रयुक्त केमिकल की बरामदगी अत्यंत गंभीर और भयावह मामला है। इतनी बड़ी मात्रा में केमिकल का मिलना इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में सिंथेटिक ड्रग्स का उत्पादन और सप्लाई नेटवर्क गहराई तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि यह कोई एक घटना नहीं है, बल्कि प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सामने आए मामलों की श्रृंखला है–

मंदसौर (26 फरवरी 2026): 1886 किलो केमिकल की बरामदगी, राजस्थान कनेक्शन की आशंका।

इंदौर: 34.6 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तारी, अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों की कीमत।

भोपाल: विभिन्न थाना क्षेत्रों में एमडी की छोटी-बड़ी खेपें पकड़ी गईं, जिनका कनेक्शन युवाओं और कॉलेज छात्रों तक बताया गया।

उज्जैन-नीमच क्षेत्र: सीमावर्ती इलाकों में सिंथेटिक ड्रग्स की आवाजाही को लेकर लगातार कार्रवाई।

ग्वालियर-चंबल अंचल: अंतरराज्यीय गिरोहों के माध्यम से एमडी व अन्य सिंथेटिक ड्रग्स की सप्लाई का खुलासा।

पटवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के शासन में नशा माफिया बेखौफ हैं और उन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। यदि सरकार गंभीर होती तो इतनी बड़ी मात्रा में केमिकल और ड्रग्स की खेपें प्रदेश में सक्रिय नहीं होतीं।

उन्होंने मांग की कि: 1. पूरे मामले की उच्च स्तरीय, समयबद्ध और निष्पक्ष जांच कराई जाए। 2. अंतरराज्यीय नेटवर्क और बड़े सरगनाओं को तत्काल गिरफ्तार कर उनके नाम सार्वजनिक किए जाएं। 3. प्रदेश स्तर पर विशेष एंटी-सिंथेटिक ड्रग्स टास्क फोर्स गठित की जाए। 4. स्कूल-कॉलेज स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान एवं नशा मुक्ति पुनर्वास नीति लागू की जाए। पटवारी ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस पार्टी मध्यप्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होने देगी। यदि सरकार ने ठोस कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस प्रदेशव्यापी जनआंदोलन छेड़ने के लिए बाध्य होगी।